



भाजपा का बंगाल की संस्कृति से जुड़ने का प्रयास, इस बार सफल हो सकता है

प्र.मंत्री मोदी की, “जय माँ काली” का उद्घोष करके बंगाल के “ईथॉस” से जुड़ने की कोशिश कामयाब होती नज़र आ रही है

- अब तक कई कोशिशों के बावजूद भाजपा व मोदी, बाहर का होने की छाप को नहीं धो पाए थे, बंगाल में।
- छोटी-छोटी त्रुटियाँ, जैसे, मोदी जी द्वारा रामकृष्ण परमहंस को स्वामी रामकृष्ण परमहंस कहना, काफ़ी खला बंगाल के निवासियों को, क्योंकि बंगाल में रामकृष्ण परमहंस को भगवान स्वरूप माना जाता है तथा अन्य स्वामी, जैसे स्वामी विवेकानंद आदि उनके शिष्य थे।
- इसी प्रकार, प्र.मंत्री मोदी द्वारा लोकसभा में बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय को “बंकिम दा” कह कर संबोधित करने पर भी बंगाली निवासी कुछ अटपटा सा महसूस कर रहे थे। इसी तरह प्र.मंत्री मोदी द्वारा स्वतंत्रता सेनानी मातंगिनी हाजरा को आसामवासी बताना भी बंगालियों की दृष्टि से महान त्रुटि थी।
- पर, अब प्र.मंत्री मोदी द्वारा, बंगाल की जनता का “जॉय माँ काली” कहकर, अभिवादन करने को सभी सराहनीय व सफल प्रयास बता रहे हैं और इससे प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा, बंगाल में बाहरी होने की छाप धो सकेंगे।

रामकृष्ण परमहंस” कहकर संबोधित करने पर मोदी की आलोचना की। एक बंगाल पर्यवेक्षक ने कहा, “उन्हें पता होना चाहिए था कि परमहंस को बंगाल

में भगवान के रूप में पूजा जाता है, और स्वामी (जैसे स्वामी विवेकानन्द) उनके शिष्य थे।” कुछ दिन पहले, टीएमसी सांसदों

ने लोकसभा में तब काफ़ी हंगामा किया था, जब प्रधानमंत्री ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को “बंकिम दा” कहकर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी की नागरिकता रद्द करेगा कैनडा

- भाजपा का “जय श्री राम” के मंत्र की प्रतिध्वनि उत्तर व पश्चिम भारत में तो खूब लोकप्रिय रही है, पर, बंगाल के लिए “जय माँ काली” के नारे की “इमोशनल अपील” (भावनात्मक आकर्षण) को जनप्रिय माना गया।

उद्घोष करना भाजपा के संदेश में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।

यह परिवर्तन न केवल पहले के “जय श्री राम” नारे, जो मुख्यतः उत्तर और पश्चिमी राज्यों में अधिक प्रभावी रहा, से दूरी बनाता है, बल्कि यह उस व्यापक रणनीति को भी दर्शाता है, जिसके तहत भाजपा पश्चिम बंगाल में लंबे समय से उस पर लगे “बाहरी” होने के ठप्पे को हटाने का प्रयास कर रही है। माँ काली और माँ दुर्गा का आा न बंगाल की सामूहिक चेतना में गहराई से गुंजाता रहता है। ये देवियाँ क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं, और, शक्ति और सहनशीलता का प्रतीक बनकर, विपरीत परिस्थितियों के विरुद्ध किले की तरह खड़ी रहती हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बंगाल के मतदाताओं को लिखे गए पत्रों में प्रयुक्त

भाषा इस बात को रेखांकित करती है कि भाजपा स्थानीय सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में स्वयं को स्थापित करने का गंभीर प्रयास कर रही है, ताकि उन मतदाताओं के बीच अपनापन पैदा किया जा सके, जो पहले पार्टी को अलगाव की दृष्टि से देखते रहे होंगे। भाजपा नेता और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कोलकाता में महिला मोर्चा को संबोधित करते हुए इस सांस्कृतिक सामंजस्य पर और विस्तार से प्रकाश डाला।

महिलाओं से “अपने भीतर की दुर्गा शक्ति को जगाने” का आा न करते हुए, गुप्ता ने न केवल महिला सशक्तिकरण के प्रति पार्टी के दृष्टिकोण को स्पष्ट किया, बल्कि सामाजिक बुराईयों के खिलाफ संघर्ष में देवियों के गहरे निहित महत्व को भी रेखांकित किया।

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 24 फरवरी। कैनडा सरकार ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के कथित मास्टरमाइंड तहज्जुब हुसैन राणा की नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम कैनडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की 26

- कैनडा के प्र.मंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा से पूर्व उठाए जा रहे इस कदम को दोनों देशों के संबंध सुधारने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

फरवरी को होने वाली भारत यात्रा से पहले उठाया गया है, क्योंकि ओटावा नई दिल्ली के साथ संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश कर रहा है, जो पूर्व प्रधानमंत्री जुस्टिन ट्रूडो के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल अब बनेगा “केरलम्”

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 24 फरवरी, केरल विधानसभा ने आधिकारिक अभिलेखों में राज्य का नाम बदलने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया है। राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए आज केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में केरल का नाम बदलकर “केरलम्” करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। राज्य विधानसभा पहले ही आधिकारिक अभिलेखों में नाम परिवर्तन के लिए प्रस्ताव पारित कर चुकी है। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, केन्द्रीय मंत्रिमंडल की स्वीकृति

- केरल विधानसभा ने राज्य का आधिकारिक रूप से नाम बदलने के लिए विधेयक पारित कर दिया है।

के बाद, भारत के राष्ट्रपति “केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026” को भारत के संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधान के तहत राज्य विधानमंडल के विचारार्थ केरल विधानसभा को भेजेंगे।

केरल राज्य विधानमंडल के विचार प्राप्त होने के बाद, केंद्र सरकार आगे की कार्रवाई करेगी और संसद में “केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026” प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रपति (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘एसआईआर जल्दी कराने के लिए सिविल जजों को भी तैनात कर सकते हैं’

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट को यह निर्देश दिया और कहा कि सिविल जज तीन साल के अनुभवी होने चाहिए

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 24 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आदेश दिया कि कलकत्ता हाई कोर्ट पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के स्पेशल इंटींसिव रिविजन (एसआईआर) में तेजी लाने के लिए कम से कम तीन साल के अनुभव वाले सिविल जजों को भी तैनात कर सकता है।

अदालत ने कहा कि इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया (ईसीआई) और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच भरोसे की कमी है। कोर्ट ने 20 फरवरी को एसआईआर के सुचारु संचालन के लिए जिला जज और अतिरिक्त जिला जज, यहां तक कि सेवानिवृत्त जजों को भी तैनाती का आदेश दिया था।

इसके बाद कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने सुप्रीम कोर्ट को एक नोट भेजकर बताया कि यह काम बहुत

रूस की “इकॉनमी” क्या “डैथ ज़ोन” में पहुँच गई है?

माउण्ट एवरेस्ट की चढ़ाई में 25,000 फीट के बाद एक भूखण्ड आता है जिसे “डैथ ज़ोन” कहा जाता है, जहाँ सर्वाधिक पर्वतारोहियों की मृत्यु होती है

–अंजन राय–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 24 फरवरी। रूसी अर्थव्यवस्था उस स्थिति में पहुँच गई है, जिसे ऊँचे पहाड़ों पर चढ़ाई की भाषा में “डैथ ज़ोन” कहा जाता है। एवरेस्ट की चोटी पर जाते समय 25,000 फीट से ऊपर का इलाका आता है, जहाँ चोटी पर पहुँचने की कोशिश के दौरान सबसे ज्यादा मौतें होती हैं। इस ऊंचाई पर मानव शरीर जितनी ऊर्जा खर्च करता है, उतनी उसकी भरपाई नहीं कर पाता। जब तक व्यक्ति असामान्य ऊँचाई को जल्दी से नहीं छोड़ता, मृत्यु लगभग तय हो जाती है।

लंदन से निकलने वाली एक प्रसिद्ध और सम्मानित साप्ताहिक पत्रिका, द लंदन इकॉनमिस्ट, ने एक विशेषज्ञ लेख प्रकाशित किया है। इसमें तर्क दिया गया है कि पिछले चार वर्षों से यूक्रेन के साथ युद्ध के दौरान रूसी अर्थव्यवस्था ऐसी स्थिति में पहुँच गई है, जहाँ वह युद्ध के लिए जरूरत से ज्यादा संसाधन खर्च कर रही है, जो उसकी असली क्षमता से भी अधिक हैं। अर्थ व्यवस्था अपने उत्पादन क्षेत्रों को कमजोर कर रही है और वहाँ से

- “डैथ ज़ोन” में मानव शरीर, जितनी ऊर्जा उपयोग में लाता है, उतना उसका रिफ्लेसमेंट संभव नहीं हो पाता, अतः, पर्वतारोही अपनी अपनी जान गाँवाँ बैठता है, अगर तुरंत अपनी रिहाइश का स्थान नहीं बदलता।

- यह ही स्थिति रूस की इकॉनमी की हो रही है, जानकार विशेषज्ञों के अनुसार।

- यूक्रेन युद्ध के कारण सेना की जरूरतों को सबसे ऊपर रखा है रूस ने तथा अधिकतम औद्योगिक उत्पादन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, सेना की जरूरतें पूरी करने में लगा है और साधारण रोजमर्रा की आवश्यकताएँ पीछे से पीछे खिसकती जा रही हैं।

- जितनी देर रूस की इकॉनमी, इस “डैथ ज़ोन” में रहेगी, उतना ही अधिक मुश्किल हो जाएगा, इस “डैथ ज़ोन” से बाहर निकलना।

संसाधन खींचकर रक्षा उद्योगों में लगा रही है, ऐसे सामान बनाने के लिए, जो तुरंत युद्ध में नष्ट हो जाते हैं। अतः यह ऐसा है, जैसे, अर्थव्यवस्था उत्पादन, आय और विकास के अच्छे चक्र में आने के बजाय, तेज़ी से खुद को ही खत्म करने की दिशा में काम कर रही है। यह आकलन वॉशिंगटन के कार्नेगी रूस यूरेशिया सेंटर की

एलेक्ज़ेंड्रा प्रोकोपेंको का है। उनका कहना है कि रूसी अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या “नकारात्मक संतुलन” है, यानी वह खुद को किसी तरह संभाले हुए है, लेकिन साथ ही अपने भविष्य की क्षमता को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। प्रोकोपेंको की विश्लेषण के अनुसार, रूसी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

“जय श्री राम” से भाजपा “जय माँ काली” पर शिफ्ट हुई बंगाल में

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 24 फरवरी। भारतीय राजनीति की जटिल बुनावट में सांस्कृतिक प्रतीकों के इर्द-गिर्द बुनी गई कुछ कथाएँ सबसे जीवंत और अक्सर सबसे विवादित, धाराओं में से एक रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव अभियान में हाल ही में “जय माँ काली” का

कांग्रेस ने द्रमुक से 41 सीटें मांगीं

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 24 फरवरी। कांग्रेस के महासचिव के.सी वेणुगोपाल द्वारा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से मुलाकात के एक दिन बाद, डीएमके (द्रमुक) संसदीय दल की नेता कनिमोई करुणानिधि ने सोमवार को अपने आवास पर कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडनकर के साथ सीट बंटवारे को लेकर आगे की चर्चा की। हालांकि किसी भी नेता ने आधिकारिक रूप से बातचीत के विवरण का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों

- कांग्रेस का कहना है, उसने 2016 के विधानसभा चुनाव में 41 सीटों पर चुनाव लड़ा था, पर, द्रमुक उसे वही 25 सीटें देना चाहती है, जो कांग्रेस को 2021 में दी गई थीं।

के अनुसार, कांग्रेस ने द्रमुक को राज्यसभा की एक सीट के अपूरे वादे की याद दिलाई है, और ऐसी संभावना है कि द्रमुक इस मांग को मान लेगी।

लेकिन जहाँ कांग्रेस 41 विधानसभा सीटों की मांग कर रही है, जिन पर वह 2016 में चुनाव लड़ी थी, वहाँ द्रमुक 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को दी गई 25 सीटों के प्रस्ताव पर अड़ी हुई है।

शोध सूत्रों का कहना है कि द्रमुक कांग्रेस को दो या तीन अतिरिक्त सीटों से अधिक देने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं है। एक सूत्र ने कहा, “अधिकतम 26 या 27, लेकिन इससे ज्यादा देना हमारे लिए संभव नहीं है।”

रूस से 40 फाइटर जैट खरीद सकता है भारत इस डील के मार्फत भारत यह संकेत देना चाहता है कि उसे ट्रंप की परवाह नहीं है

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 24 फरवरी। ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष से भी कम समय बाद, रक्षा गलियारों में इस बात को लेकर अटकलें तेज हैं कि भारत वायुसेना की ताकत बढ़ाने के लिए पाँचवीं पीढ़ी के रूसी लड़ाकू विमान सुखोई एसयू-57 की खरीद पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, यदि अंतिम निर्णय लिया जाता है तो भारत ऐसे 40 विमानों का ऑर्डर दे सकता है। हवाई युद्ध अब ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है, जहाँ असली अंतर लड़ाकू क्षमता से अधिक पहचान (डिटेक्शन) की क्षमता से तय होगा। सुखोई एस यू-57 जैसे पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान उन्नत एवं गुप्त (स्टैल्थ) क्षमताओं से लैस होते हैं, जिससे दुश्मन के लिए इन्हें पहचान पाना कठिन हो जाता है। पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों

- भारत सरकार पाँचवी पीढ़ी के सुखोई विमान, सु-57 खरीदने पर विचार कर रही है। आज के अत्याधुनिक दौर में ऐसे फाइटर जैट पसंद किए जा रहे हैं, जिनकी मारक क्षमता तो तेज हो ही, साथ ही वे रडार से बचने की क्षमता भी रखते हों।
- सुखोई की वेबसाइट के अनुसार, पाँचवी पीढ़ी के सु-57 विमान हवा से हवा में और हवा से ज़मीन पर सटीक प्रहार के साथ रडार से भी बच सकते हैं।
- ज्ञातव्य है कि चीन पाँचवी पीढ़ी के जे-20 फाइटर जैट विकसित कर चुका है और जल्दी ही ये विमान वह पाकिस्तान को दे देगा, इसलिए भारत के लिए जरूरी है कि वह भी अपनी एयर फोर्स की ताकत बढ़ाए। भारत खुद भी पाँचवी पीढ़ी के फाइटर जैट विकसित कर रहा है।

करने में भी सक्षम बनाते हैं।” सुखोई वेबसाइट कहती है, “यह विमान हवा से हवा और हवा से ज़मीनी सतह तक मार करने वाले

विभिन्न प्रकार के हथियारों का उपयोग कर सकता है,जिससे यह लड़ाकू और स्ट्राइक,दोनों प्रकार के मिशन पूरा कर सकता है। रडार, इंफ्रारेड और दृश्य

वेव-लैन्थ में कम दृश्यता के कारण एसयू-57 गुप्त कार्रवाई करने में सक्षम है।”

सुखोई वेबसाइट के अनुसार, एसयू-57 की सहायक पावर यूनिट उच्च तैनाती स्वायत्तता प्रदान करती है, जमीनी परीक्षण के दौरान ईंधन की खपत कम करती है और मुख्य इंजनों की आयु बढ़ाती है। सुखोई ने कहा, “ऑन-बोर्ड ऑक्सिजन एक्सट्रैक्शन यूनिट का उपयोग भी विमान के संचालन को उच्च स्वायत्तता सुनिश्चित करता है।

जनरेटर-किस्म की न्यूट्रल गैस प्रणाली के रूप में बने विस्फोट-रोधी ईंधन टैंक सिस्टम का उपयोग, अन्य उपायों के साथ मिलकर, विमान की उच्च स्तर की युद्धक जीवतता सुनिश्चित करता है।”

पिछले वर्ष मई में, भारत ने अप्रैल में हुये पहलगाम आतंकी हमले में निंदीय लोगों की हत्या का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिन्दूर को

अंजाम दिया था। इस अभियान के दौरान, पाकिस्तान वायुसेना के साथ हुए हवाई संघर्षों ने भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान की भविष्य की तैयारियों के संबंध में नई अन्तर्दृष्टि विकसित की। एसयू-57 पर हो रही चर्चाओं को इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। पाकिस्तान का फिर सहयोगी चीन पांचवी पीढ़ी के जे-20 स्टैल्थ लड़ाकू विमान विकसित कर चुका है और ये जल्द ही पाकिस्तान को भी मिल सकते हैं। इसलिए भारत को भी अपनी वायु शक्ति को उन्नत करना आवश्यक माना जा रहा है।

दरअसल, भारत स्वयं भी अपनी पांचवी पीढ़ी के स्टैल्थ लड़ाकू विमान एडवांस्ड मीडियम कॉन्वैट एयरक्राफ्ट (एमसीए) विकसित कर रहा है। इस विमान की पहली उड़ान 2028 या 2029 में किसी भी समय होने की उम्मीद है और इसके लगभग 2035 तक वायुसेना में शामिल होने की संभावना है।

मैकडॉनल्ड्स के एमडी, अभिनेता रणवीर व कार्तिक आर्यन को नोटिस

जयपुर, 24 फरवरी। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने शहर के गौरव टावर स्थित मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट में हानिकारक तेल में खाद्य सामग्री बनाने से जुड़े मामले में मैकडॉनल्ड्स के एमडी

- जिला उपभोक्ता आयोग जयपुर- द्वितीय ने दूषित तेल में खाद्य सामग्री बनाने पर 23 मार्च तक जवाब मांगा।

राजीव रंजन, ब्रांड एम्बेसडर फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह व कार्तिक आर्यन सहित, प्रबंधक संभव भारद्वाज को नोटिस जारी किए हैं। आयोग ने इनसे 23 मार्च तक जवाब देने के लिए कहा है। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीणा ने यह आदेश गौरव तिवाड़ी के परिवाद पर दिए। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)